

भाग ४ (च.)

अन्तिम नियम

गृह (पुलिस) विभाग

मोपाल, दिनांक 29 अक्टूबर 1987

क्र. एफ. 3-4-87-वी (1)-दो.—मारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, मध्यप्रदेश के राज एतद्वारा संचालक, विकित्सा विधिक संस्थाएं, मध्यप्रदेश की स्थापना में चतुर्थ श्रेणी सेवा में भरती की पद्धति तथा खेत को विनियमित करते नेम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

नियम

(1) संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ.—ये नियम मध्यप्रदेश विकित्सा विधिक संस्थान, चतुर्थ श्रेणी सेवा भरती नियम, 1987 कहलाएंगे। ये मध्यप्रदेश राजपत्र में इनके प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में,—

(एक) “अनुसूचित जाति के सदस्य” से अभिप्रेत है, संविधान के अनुच्छेद 341 के अधीन मध्यप्रदेश राज्य के संबंध में अनुसूचित जाति के रूप में विनिर्दिष्ट किसी जाति, प्रजाति या जनजाति के किसी भाग या समूह का कोई सदस्य;

(दो) “अनुसूचित जनजाति के सदस्य” से अभिप्रेत है, मारत के संविधान के अनुच्छेद 342 के अधीन मध्यप्रदेश राज्य के संबंध में इस रूप में विनिर्दिष्ट किसी जनजाति, आदिवासी समुदाय या किसी जनजाति या आदिवासी समुदाय के किसी भाग या समूह का कोई सदस्य;

(तीन) “अनुसूची” से अभिप्रेत है, इन नियमों से संलग्न अनुसूची।

3. प्रयुक्ति.—ये नियम संलग्न अनुसूची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट पदों पर पदस्थ इस सेवा के प्रत्यक्ष कर्मचारी पर लागू होंगे।

4. पदों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमात्र.—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण तथा उनसे संबद्ध वेतनमात्र अनुसूची के स्तम्भ (3) से में विनिर्दिष्ट किये अनुसार होंगे।

5. भरती का तरीका, आयु सीमा तथा अन्य अहंताएं.—पदों पर भरती करने का तरीका, आयु सीमा, अहंताएं तथा उनसे संबद्ध अन्य मामले सूची के स्तम्भ (6) से (11) में विनिर्दिष्ट किये अनुसार होंगे।

अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के लिये पदों का आरक्षण.—सीधी भरती अथवा पदोन्नति से भरे जाने वाले पदों से अनुसूचित ते के लिये, 16 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति के लिये 20 प्रतिशत पद आरक्षित रहेंगे।

7. व्यावृत्ति.—इन नियमों में को, गई कोई भी व्यवस्था अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिये, भूतपूर्व सैनिकों के शासकीय सेवक की सेवा काल में भूत्यु हो जाने पर उनके परिवार क एक सदस्य को अनुकूल्या नियुक्ति के लिये तथा विकलांग उम्मीदवारों के राज्य सासान द्वारा समय-समय पर इस संबंध में जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुबंध किये जाने हेतु अपेक्षित आरक्षण तथा अन्य शर्ते प्रभावित नहीं करेंगी।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
टी. राधाकृष्णन, उपसचिव-

22 अक्टूबर 1987
D. H. Singh
Administrative Officer,
Economic Development Institute,
Government of Madhya Pradesh, Bhopal
(Central Institute of Economic Development)

અદ્ય

(नियम - 2)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
3 जमादार	1	चतुर्थ श्रीणि	750-12-870-	100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा वैतन 25/- रुपये प्रतिमाह.	(साक्षात्कार में उम्मीदवार जपायक्त पार्य जाने पर.)	सामाजिक पार्चवी कक्षा.				
4 सूत्य	5	चतुर्थ श्रीणि	725-10-735-	सीधी भरती द्वारा (साक्षात्कार में उम्मीदवार जपायक्त पार्य जाने पर.)	सामाजिक पार्चवी कक्षा.					
5 स्वीपर	6	चतुर्थ श्रीणि	725-10-735-	सीधी भरती द्वारा उम्मी. 18 के लिये शास्त्रीयक श्रीमाती का जन. जा. के उम्मीदवार 18 से 35 वर्ष.	सामाजिक पार्चवी कक्षा. उम्मी. 18 से 30 वर्ष कार्य श्रीमाती का जन. जा. के कोई अंधन उम्मी. 18 से 35 वर्ष. आवश्यक है।					

नोट:- नियुक्तिकर्ता आधिकारी—विदेशी, भेडिको लौगलि सरथान, मध्यप्रदेश.

(2) पदोन्नति समिति के सदस्य,—

- (1) सीनियर फोरेस्टिक सर्विसेस्ट
- (2) जूनियर फोरेस्टिक सर्विसेस्ट
- (3) प्रशासकीय अधिकारी

श्रावक

सदस्य

सदस्य